

आईआईटी इंदौर में केमिकल उद्योग के भविष्य पर मंथन

नवभारत न्यूज़

इंदौर। आईआईटी इंदौर में आयोजित मालवा केमिकल कॉन्क्लेव 2026 में रासायनिक उद्योग की चुनौतियों, तकनीकी नवाचार और उद्योग-शिक्षा जगत के बीच साझेदारी को मजबूत करने पर मंथन हुआ। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के बीआईएस स्टूडेंट चैप्टर ने भारतीय मानक ब्यूरो बीआईएस के सहयोग से यह आयोजन किया।

‘इंजीनियरिंग अ रिस्पॉन्सिबल फ्यूचर’ थीम पर हुए कॉन्क्लेव में एएनएसवाईएस प्लुएंटे और मैटलैब की व्यावहारिक कार्यशालाओं के साथ तकनीकी सत्र, पैनल चर्चा और छात्र नवाचार प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस दौरान ‘द मालवा आउटलुक’ का विमोचन भी हुआ। तकनीकी सत्रों में डीसीएम नूवेल स्पेशियलिटी केमिकल्स के जाहिद

एआई, स्वचालन और सतत विकास पर फोकस



हुसैन, भारत टिकी टार शेल के दीपक के. बसु, इंडियन ऑयल के पीयूष दुबे और आईआईटी इंदौर के प्रो. गणित सूर्यनारायण मूर्ति ने विचार साझा किए। ‘केमिकल इंजीनियरिंग-अवसर, चुनौतियां और भावी दिशा’ विषयक पैनल चर्चा में उद्योग की

जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, तकनीक का व्यावसायीकरण, उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना तथा केमिकल इंजीनियरिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और सतत विकास की भूमिका पर चर्चा हुई। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो.

सुहास जोशी ने अनुसंधान को औद्योगिक और सामाजिक उपयोग से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने प्रस्तावित भव्य रसायन योजना के तहत तीन मेगा केमिकल पार्क स्थापित करने की परिकल्पना का भी उल्लेख किया।